सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 437
10/06/2017

युवाओं पर ही पूरे देश का भविष्य निर्भर है :– मुख्यमंत्री

पटना, 10 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज ज्ञान भवन (सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर) पटना में पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद का द्वीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं श्री शायन कुणाल को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने अपने प्रथम पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद कार्यक्रम में मुझे आमंत्रित किया। मैं उन्हें इस अच्छी पहल के लिये बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि युवाओं पर ही पूरे देश का भविष्य निर्भर है। भारत में युवा आबादी बाकी देशों की तुलना में सर्वाधिक है और देश के अंदर सर्वाधिक युवा आबादी आनुपातिक रूप से बिहार में है। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में काफी महत्वपूर्ण बात है कि आज इस पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद में युवाओं द्वारा विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाटलिपुत्र मगध सम्राज्य की राजधानी थी। उन्होंने कहा कि मगध साम्राज्य के विस्तार को देखें तो वह आज के भारत से बड़ा इलाका था, जिसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी। उन्होंने कहा कि बिहार शिक्षा का भी केन्द्र था। नालन्दा, बिक्रमशिला, उद्वंतपुरी विश्वविद्यालय के साथ–साथ तेलहारा विश्वविद्यालय भी यहाँ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे शुरू से यह महसूस होता है कि बिहार में राजनीति के प्रति आकर्षण सबसे ज्यादा है। यहाँ राजनीतिक बात करते हुये सब मिलेंगे। आप कहीं भी जाईये राजनीतिक बात पर सब चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में भी बिहार का महत्वपूर्ण योगदान था। 1857 में वीर कुंवर सिंह के योगदान को देखें, इसी तरह गाँधी जी के चम्पारण सत्याग्रह का भी अहम योगदान था। चम्पारण सत्याग्रह से ना सिर्फ किसानों के ऊपर हो रहे अत्याचार को समाप्त करने में सफलता प्राप्त हुयी थी बल्कि चम्पारण सत्याग्रह के बाद आजादी की लड़ाई जन–आन्दोलन में परिणित हो गयी थी। चम्पारण सत्याग्रह के 30 साल के अन्दर ही देश को आजादी मिल गयी थी। उन्होंने कहा कि यहाँ गाँधी जी ने न सिर्फ राजनैतिक अभियान चलाया था बल्कि साथ–साथ सामाजिक आन्दोलन की भी शुरूआत की थी। चम्पारण सत्याग्रह के साथ–साथ गाँधी जी ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, भेदभाव से मुक्ति आदि के लिये भी कार्य प्रारंभ किया था। उन्होंने कहा कि बिहार में राजनैतिक अभियान बहुत चले हैं परन्तु समाज सुधार के क्षेत्र में बहुत प्रयास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सामाजिक मसले काफी जटिल हैं। अभी आप लोगों द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया था, इसे देखकर बहुत खुशी हुयी। यह काफी प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज में भी आज यही हो रहा है। बेटा पैदा होने पर लोग खुशी मनाते हैं, बेटी पैदा होने पर नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है। लड़कों के शिशु मृत्यु दर में काफी कमी आयी है। लड़कियों के शिशु मृत्यु दर में उतनी कमी नहीं आयी है। लोग बेटों के बीमार होने पर उनका तुरंत इलाज कराते हैं। लोगों की यह गलत मानसिकता है, इसे बदलना चाहिये। बेटा हो या बेटी दोनों का तुरंत इलाज कराना चाहिये। उन्होंने कहा कि

सृष्टि की संरचना नर और नारी के मेल से हुयी है। कुपोषण के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुपोषण के कारण बिहार में नाटेपन–स्टंटिंग ग्रोथ की समस्या है। मॉ और बच्चे दोनों के कुपोषण इसका प्रमुख कारण हैं। इसका एक और कारण बाल विवाह है। लड़की कम उम्र में गर्भ धारण करती है तो मॉ और बच्चे दोनों कुपोषित होते है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह गैर कानूनी है। 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी गैरकानूनी है, फिर भी यह हो रहा है, इसके लिये जागरूकता एवं सशक्त अभियान जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धरती सिर्फ आदमी के लिये नहीं बल्कि सभी प्राणियों के लिये है। परन्तु मनुष्य की यह मानसिकता है कि सब कुछ मेरे लिये है। इसी कारण आज देखिये पर्यावरण की क्या हालत हो गयी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी जी ने कहा था कि इस धरती में इतनी शक्ति है कि वह इंसानों की जरूरतों को पूरा कर सकती है परन्तु उनके लालच को नहीं। लालच के कारण सबका विनाश होता है। उन्होंने कहा कि मानसिकता को बदलने के लिये सामाजिक अभियान चलाना होगा। अकेले कानून बनाने से नहीं होगा। शराबबंदी पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी के लिये कड़ा कानून बनाया गया है परन्तु सब आदर्श नहीं होता है। लोगों में विकृति भी होती है। कानून तो अपना काम करेगा। फिर भी कुछ लोग इधर–उधर करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कोई अभियान सिर्फ कानून से पूरी तरह से कामयाब नहीं हो सकता है, इसके लिये जन जागरूकता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से पूर्व सशक्त जन जागरूकता अभियान चलाया गया था। एक करोड़ 19 लाख लोगों ने शराबबंदी के पक्ष में शपथ पत्र भरकर जमा किया था। 9 लाख जगहों पर दीवारों पर नारे लिखे गये। हजारो जगहों पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया था। शराबबंदी के पक्ष में लोगों ने गीत लिखे और गाये थे। इस अभियान का बहुत अच्छा प्रभाव रहा था। पहले एक अप्रैल 2016 से ग्रामीण एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में शराबबंदी लागू की गयी परन्तु माहौल ऐसा बना कि चार दिन के बाद 5 अप्रैल 2016 से पूरे बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी गयी। उन्होंने कहा कि हमने निश्चय यात्रा के माध्यम से जन चेतना जगाने के लिये सभायें की हैं। अब हमें शराबबंदी से नशामुक्ति की तरफ जाना है। इसके लिये सबसे बड़ी बात जन चेतना है। जन चेतना जगाने के लिये अभियान चलाया गया था। 21 जनवरी 2017 को मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया गया था। मानव श्रृंखला में चार करोड़ लोगों ने भाग लिया। इससे यह साफ दिखता है कि जनमत इसके पक्ष में है। हमें इसे कायम रखना होगा, जन जागरूकता अभियाना चलाते रहना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग शराबबंदी को अपने खाने–पीने के मौलिक अधिकार से जोड़ते थे। उन्होंने कहा कि शराब पीना या शराब का व्यापार करना मौलिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक मुद्दों पर जनमत को निरंतर जागृत होना चाहिये। मुझे आज खुशी हो रही है कि पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद में हमारे युवा बैठकर विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर बहस करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक मुद्दों पर काम कर मुझे जितना आत्मसंतोष हुआ है, उतना सड़क बनाने से नहीं होता था। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागृति आ जाय तो देश का भविष्य उज्ज्वल हो जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी लागू करने से पहले मेरे मन में द्वंद रहता था। शराबबंदी पहले भी लागू की गयी थी परन्तु वह असफल रहा था इसलिये मन में एक संशय का भाव था परन्तु जब 9 जुलाई 2015 को आयोजित महिलाओं

के एक कार्यक्रम में भाषण देकर मैं जैसे बैठा ही था कि पीछे से आवाज आयी कि शराबबंदी लागू कीजिये। उस क्षण ही अचानक मेरे मन से सभी शंकायें मिट गयीं और मैं माइक पर वापस आया और कहा कि अगली बार सरकार में आऊँगा तो शराबबंदी लागू करूँगा। उन्होंने कहा कि मैं जो कहता हूँ उसे जरूर करता हूँ, यह मेरे जीवन का सिद्धांत रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद की तरह का कार्यक्रम होना चाहिये, जिसमें हमारे युवा भाग ले और विभिन्न सामाजिक मुद्दो पर चर्चा करें। अगर युवाओं की सोच में परिवर्तन आता है तो समाज को बदलने से कौन रोक सकता है। गॉधी जी के चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें गॉधी जी के विचारधारा को जन–जन तक ले जाना है। लोगों को गॉधी जी के विचारधारा से अवगत कराने के लिये साल भर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। गॉधी जी से संबंधित कहानियॉ लोगों को सुनायी जायेंगी। उन्होंने कहा कि अगर 10 से 15 प्रतिशत युवा गॉधी जी के विचारों को अपनाकर उसका आत्मसाध करे तो समाज में बड़ा परिवर्तन आ जायेगा। उन्होंने कहा कि आज चारो तरफ हिंसा और असहिष्णुता का माहौल है। अगर इस सब से छुटकारा मिल जाय तो समाज कितना ऊपर जायेगा। दहेज प्रथा के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक बहुत बड़ी सामाजिक कुरीती है। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक सामाजिक परिवर्तन नहीं आयेगा, कितनी भी आर्थिक उन्नति हो जाये तब तक समाज के स्वास्थ्य और संस्कार पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इस अवसर पर पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद की तरफ से भ्रुण हत्या एवं शराबबंदी पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद की तरफ से मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को आचार्य श्री किशोर कुणाल एवं पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद के संस्थापक श्री शायन कुणाल द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह् भेंट किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री किशोर कुणाल, पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद के संस्थापक श्री शायन कुणाल, अध्यक्ष श्री अभिनव नारायण, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं पाटलिपुत्रा राष्ट्रीय युवा संसद के सदस्य उपस्थित थे।

****